पं0 दीनदयाल उपाध्याय राजकीय बालिका महाविद्यालय, सेवापुरी, वाराणसी

"एक भारत श्रेष्ठ भारत"

मातृभाषा दिवस

रिपोर्ट

स्थानीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय बालिका महाविद्यालय में आज दिनांक 20 फरवरी 2020 को "एक भारत श्रेष्ठ भारत"अभियान के अंतर्गत 'मातृभाषा दिवस' का आयोजन किया गया।इस अवसर पर छात्राओं ने मातृभाषा पर अपने विचार व्यक्त किए।भाषण प्रतियोगिता में मोनी प्रथम ,माया द्वितीय तथा सोनाली तृतीय स्थान पर रही।छात्राओं को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के इतिहास विभाग के डॉ एस एन वर्मा ने कहा कि यूनेस्को पहल पर दुनियाभर की भाषाओं के संरक्षण का कार्य किया जा रहा है।भारत सरकार भी राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत मातृभाषा में लिखे साहित्य के संरक्षण और प्रोत्साहन हेतु प्रयत्नशील है।बिना भाषा के संस्कृति मूक हो जाएगी।मातृभाषा , अभिव्यक्ति, संवेदना और प्रभाव की दृष्टि से सर्वोत्तम होती है।अनेक देशों ने अपनी भाषा मे ही आधुनिकता का वरण किया है। हमे किसी विदेशी भाषा के प्रति अनावश्यक मोह नही रखना चाहिए। डॉ वर्मा ने अवधी और भोजपुरी भाषाओं में रचित पुस्तकों के अंश सुनाए और अनेक उदाहरणों से भाषा की शक्ति से विद्यार्थियों को परिचित कराया।उन्होंने बताया कि भाषा विभेद नही करती हमे दूसरी भाषाओं को सीखकर भारत को श्रेष्ठ और एक बनाने का प्रयास करना चाहिए। अंग्रेज़ी विभाग की अध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्त ने इंग्लैंड के आंग्ल भाषा प्रेम और प्रभाव की चर्चा की साथ ही इस ओर संकेत किया कि अनेक देश अपनी भाषा के सम्मान के कारण ही आगे बढ़े है। भोजपुरीऔर अवधी में लिखी कविताओं की छायाप्रतियां वितरित की गई। कार्यक्रम के अंतिम चरण में विजेता छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किया गया।डॉ सर्वेश सिंह ने निर्णायक की भूमिका निभाई।धन्यवाद ज्ञापन डॉ आशा ने किया।इस अवसर पर एक भारत श्रेष्ठ क्लब की छात्रायें उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन नोडल अधिकारी डॉ सौरभ सिंह ने किया।

प्राचार्य

प्राचार्य
पं0 दीन दयाल उपाध्याय
राजकीय बालिका महाविद्यालय
सेवापुरी–वाराणसी

Saurabh Singh 20/2/2020

डॉ सौरभ सिंह

नोडल अधिकारी